प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **अगस्त / August 10, 2021**

सिडबी ने आजीविका उद्यमियों तक पहुंचने के लिए "डिजिटल प्रयास" कार्यक्रम का शुभारंभ किया, यह एक ऐप आधारित डिजिटल पहल है

SIDBI launches “Digital Prayaas” programme, an App based digital initiative to reach out to livelihood entrepreneurs

डिजिटल प्रयास कार्यक्रम के अंतर्गत ऋण प्रदान करने के लिए बिगबास्केट के साथ गठबंधन

Onboards BigBasket to offer loans under Digital Prayaas programme

समाज के निचले तबके से आने वाले आकांक्षी उद्यमियों, जिनमें अधिकांश बैंक के लिए नए हैं, उनको ऋण की सुविधा प्रदान करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण एवं विकास में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्था भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने 'डिजिटल प्रयास' कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। यह एक ऐप आधारित आद्यंत डिजिटल लेंडिंग टूल प्लेटफॉर्म है, जिसके द्वारा एक दिन में ही ऋण को मंजूरी मिल जाती है।

In order to facilitate loans to aspiring entrepreneur from the bottom of the pyramid, many of whom are new to bank (NTB), Small Industries Development Bank of India, the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) has launched the programme ‘Digital Prayaas’ an App based end to end digital lending tool platform resulting in loan sanction accorded by the end of the day.

साथ ही, शहरी क्षेत्र के आकांक्षी युवाओं के लिए, सिडबी ने देश भर में प्रमुख समूहक यथा बिग बास्केट के साथ गठबंधन किया है, ताकि देश भर में उसके वितरण भागीदारों को ऑनबोर्ड किया जा सके और पर्यावरण के अनुकूल ई-बाइक और ई-वैन को सस्ती ब्याज दर पर ऋण प्रदान किया जा सके।

Further, to cater to the aspiring youths in the urban area, SIDBI has also tied up with a major aggregator viz., BigBasket, to on board its delivery partners across the country and provide loans at an affordable interest rate for purchase of environment friendly e-Bikes and e-Vans.

वित्तीय सेवाएं विभाग के सचिव श्री देबाशीष पांडा, आईएएस, ने दो पहलों की शुरुआत करते हुए, डिजिटल प्रयास कार्यक्रम के माध्यम से सस्ती ब्याज दर पर ऋण की पेशकश करके समाज के निचले तबके के लोगों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सिडबी द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि सिडबी-बिगबास्केट पहल वह डिजिटल फुटप्रिंट तैयार करेगी जो उधारकर्ता के परिवार के सदस्यों को अपने स्वयं के सूक्ष्म उद्यमों के लिए ऋण की सुविधा प्रदान करेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सिडबी को कई और साझेदार संस्थानों के साथ ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए ताकि इस कार्यक्रम की पहुंच को बढ़ाया जा सके।

Shri Debasish Panda, IAS and Secretary, Department of Financial Services, while launching the two initiatives, appreciated the role played by SIDBI in meeting the financial requirements of the people at the bottom of the pyramid by offering loans at an affordable rate through its Digital Prayaas programme. He said that SIDBI-BigBasket initiative would create digital footprints which would further facilitate loans to the Borrower's family members for their own micro enterprises. He also emphasized that SIDBI should enter into such an arrangement with many more partner institutions so as to increase its outreach.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री सिवसुब्रमणियन रमण, आईए एंड एएस ने कहा कि "ऐप के माध्यम से एक डिजिटल और एकीकृत प्रक्रिया के अंतर्गत ऋण आवेदकों के त्वरित सहयोजन की सुविधा सुगम हुई है, जिससे समग्र कार्यक्रम श्रेष्ठतर जोखिम प्रबंध के साथ व्यापक रूप से सुग्राह्य हुआ है। इससे ग्राहक-संतुष्टि में भी सुधार संभव हो सकेगा। डिजिटल कार्यक्रम के अंतर्गत बिगबास्केट को अपने भागीदार संस्था के रूप में शामिल करते हुए सिडबी को प्रसन्नता है। इससे अपने वितरण-भागीदारों को पर्यावरण के अनुकूल ई-वाहनों की खरीद के लिए ऋण-वितरण की प्रक्रिया को बल मिलेगा।

Shri Sivasubramanian Ramann, IA&AS and Chairman and Managing Director (CMD) of SIDBI said, "The App facilitates speedy onboarding of loan applicants in a digital and integrated process which has made the entire programme scalable with better risk management and would further improve customer satisfaction. SIDBI is pleased to have BigBasket as its partner institution under the digital programme to provide loans to its delivery partners for purchase of environment friendly e-vehicles."

इस अवसर पर अपने संबोधन में बिगबास्केट के सीईओ श्री हरि मेनन ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि सिडबी ने इस साझेदारी के लिए बिगबास्केट को चुना है। ऋण प्रदान करने से संबंधित इस पहलकदमी का हमारे वितरण से जुड़े सैकड़ों सहयोगियों की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इसके सामाजिक उद्देश्यों की भी पूर्ति हो सकेगी।

Speaking on this occasion, Shri Hari Menon, CEO of BigBasket said that they are delighted that SIDBI has chosen BigBasket for this partnership. The initiative to offer loans will have a positive impact on the livelihood of hundreds of our delivery associates and also fulfills its social objectives.

डिजिटल प्रयास ऐप अपना-ग्राहक-जानें (केवाईसी) की प्रक्रिया और विभिन्न दस्तावेजों के ई-हस्ताक्षर तथा ई-स्टाम्पिंग की प्रक्रिया को डिजिटलीकरण करने के लिए तैयार है। ई-केवाईसी और क्रेडिट स्कोर

के आधार पर मंजूरी और संबंधित प्रणाली पर केंद्रित विश्लेषणपरक विशिष्टता सहित उधारकर्ताओं की आनबोर्डिंग आद्योपांत आधार पर डिजिटली की जाएगी। संबंधित पक्षकारों द्वारा दस्तावेजों के ई-हस्ताक्षर और ई-स्टांपिंग सहित मंजूरी-पश्चात् दस्तावेज भी ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से निष्पादित किए जाएंगे।

The Digital Prayaas App is set to digitize the Know-Your-Customer (KYC) process and the process of e-signing and e-stamping of various documents. The onboarding of borrowers including e-KYC and Sanction based on the credit score and analytics based on the algorithms shall get done on an end-to-end basis digitally. The post sanction documentation including e-signing and e-stamping of the documents by the executants shall also be done digitally through the App.

प्रयास योजना के बारे में: सिडबी ने साझेदारी की व्यवस्था के अंतर्गत सूक्ष्म उद्यमियों /सूक्ष्म उद्यमों के लिए कम लागत के उधार तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए अल्पवित्त संस्थानों को सीधे ऋण प्रदान करने की पहल की है, जिसका उद्देश्य 'प्रयास' नामक की योजना के तहत लक्ष्य-समूह को 5 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करना है। यह योजना लक्ष्यानुसार परिकल्पित गतिविधियों में लगे वित्तीय और गैर-वित्तीय मध्यस्थों के माध्यम से परिचालित होती है और इसका उद्देश्य ऐसे सूक्ष्म उद्यमियों /सूक्ष्म उद्यमों की सहायता करना है, जो अपने व्यवसाय को उन्नत बनाने /उसमें विविधता लाने के इच्छुक हैं और जिन्हें वितीय सहायता की आवश्यकता है। यह योजना विशेषतः उस वर्ग पर अपना ध्यान संकेंद्रित करती है, जो किफायती वित्त प्राप्त करने की प्रक्रिया में पर्याप्त चुनौतियों का सामना कर रहा है और जिस पर 20% से भी अधिक का ब्याज दर वसूला जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य कम लागत वाली पूंजी पर उधारकर्ताओं के लिए आजीविका के अवसरों में सुधार करना है, जिससे ऐसे उद्यमों के लिए लाभप्रदता के अवसरों में वृद्धि हो, और जिनका प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो।

About Prayaas Scheme: SIDBI has taken up the initiative to facilitate access to low cost borrowings for micro entrepreneurs/micro enterprises by piloting the direct credit to Microfinance Institutions under partnership arrangement with the objective to cater to targeted segment by providing loans up to Rs. 5 lakh under the scheme name ‘Prayaas’. The scheme is operated through financial and non-financial intermediaries engaged in target activities and aims to help such micro entrepreneurs/micro enterprises who look forward to upscale/diversify their business and need assistance. The scheme particularly targets the segment which continues to face challenges to access affordable finance and is being charged interest rate as high as over 20%. The scheme is aimed at improving livelihood opportunities for the borrowers at a low-cost capital thereby increasing opportunities for profitability for such enterprises which would have a demonstration effect.

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व

घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in

बिग बास्केट के बारे में : बिग बास्केट ऑनलाइन किराना बाजार के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रहा है और हाल के दिनों में इसने ग्राहकों के अधिकांश आदेशों को त्वरित रूप से पूरा करने के लिए तमाम शहरों में अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को फिर से तैयार किया है। कंपनी के परिचालन-क्षेत्र का विस्तार भारत के 30 शहरों तक व्याप्त हो गया है, जिसमें प्रति माह लगभग 15 मिलियन ग्राहक अपने आदेश दर्ज करते हैं। बिग बास्केट की विशिष्टता ताजे फल, सब्जियों और मांस के लिए आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण और इसके सुदृढ़ निजी लेबल-ब्रांडों में निहित है। 2020 में, बिग बास्केट ने वार्षिक राजस्व के संबंध में US$1 बिलियन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पा लिया है।

About BigBasket: BigBasket is creating milestones in the online grocery market and has recently re-hauled its supply chains across cities to fulfil a majority of customer orders faster. The company's operations have expanded to 30 cities in India, recording about 15 million customer orders per month. BigBasket's differentiation lies in its supply chain integration for fresh fruits, vegetables and meats, and its strong private label brands. In 2020, BigBasket reached the milestone of US$ 1 billion in annual revenues.